जीवाजी विश्वविद्यालय

अनुशासन के प्रकार

आजीवन शिक्षा प्रसार एवं समाज कार्य अध्ययनशाला

-Ankur shrivastava

अनुक्रमणिका

- अनु”ाासन का अर्थ।
- अनु”ाासन के प्रकार ।
- निश्कर्श।

अनु”ाासन का अर्थ

अनु”ाासन का संधि–विच्छेद है– अनु+”ाासन

अर्थात अपने ऊपर भाासन करना।

अनु”ाासन वह विधान है जो किसी संस्था, वर्ग अथवा समुदाय के सभी सदस्यों को उसके अनुसार सम्यक रूप से कार्य अथवा आचरण करने के लिये संबोधित करे।

अनु”ाासन के प्रकार

अनु”ाासन को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया है :—

- धनात्मक अनु”ाासन।
- ऋणात्मक अनु”ाासन।
- प्रगति”ाील अनु”ाासन।

धनात्मक अनु”ाासन :–

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कर्मचारी अपनी इच्छा से संगठन के नियमों का पालन करता है।

यह सहयोग की भावना पर काम करता है। इसमें कर्मचारी की मानसिक प्रवृत्ति को इस तरह प्रभावित किया जाता है कि वह संगठन के प्रति वि”वास की भावना रख सके।

ऋणात्मक अनु"ाासन :–

यह अनु"ाासन, सहयोग के स्थान पर दण्ड–व्यवस्था में वि"वास करता है।

इस अनु"ाासन के तहत कर्मचारी किसी भय अथवा दण्ड व्यवस्था के कारण उपक्रम के नियमों, नीतियों का पालन करने के लिये प्रेरित होते हैं।

प्रगति”ील अनु”ाासन :–

प्रगति”ील अनु”ाासन, नौकरी से संबंधित उस व्यवहार से निपटने की प्रक्रिया है जो अपेक्षित प्रद”र्न मानकों को पूरा नहीं करता है।

इसका प्राथमिक उद्दे”य कर्मचारी को यह समझाना है कि प्रद”र्न की समस्या या सुधार के लिये समाधान मौजूद है।

धन्यवाद्